उत्कर्ष

अंक 9 • मार्च 2017

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान कोलकाता की वार्षिक राजभाषा पत्रिका

श्री गोपाल मुखर्जी, सदस्य (राजस्व व टीपीएस), केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता द्वारा बनाई फिल्म **टीडीएस-जागरुकता** का दिनांक 06.02.2017 को विमोचन करते हुए

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता के संकाय सदस्य एवं अधिकारी

रंगनाथ झा भा.रा.से.
प्रधान महानिदेशक (प्रशिक्षण)

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय,राजस्व विभाग
Govt. of India, Min. of Finance, Deptt. of Revenue
राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी
NATIONAL ACADEMY OF DIRECT TAXES
छिंदवाड़ा रोड, नागपुर
Chhindwada Road, Nagpur

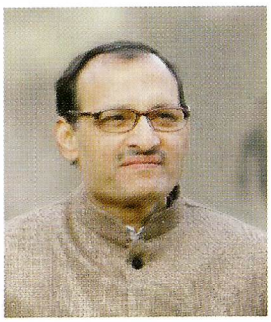

प्रधान महानिदेशक (प्रशिक्षण) का शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता पिछले आठ वर्षों से लगातार हिन्दी गृहपत्रिका का प्रकाशन कर रहा है और शीघ्र ही संस्थान उत्कर्ष - 2017 के अंक को भी प्रकाशित करने जा रहा है ।

'ग' क्षेत्र में स्थित किसी संस्थान द्वारा राजभाषा हिन्दी में निरंतर गृह-पत्रिका प्रकाशित करना गौरवपूर्ण तो है ही, साथ ही यह चुनौतीपूर्ण भी है । संस्थान की अन्य अकादमिक गतिविधियों के प्रचार-प्रसार में भी इस गृह-पत्रिका के प्रकाशन से सहायता मिलेगी, इसका मुझे विश्वास है । पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े कार्मिकों व अधिकारियों को मैं शुभकामनाएँ देता हूँ ।

(रंगनाथ झा)
प्रधान महानिदेशक (प्रशि.)
राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी
छिंदवाड़ा रोड़, नागपुर

K. L. MAHESHWARI I.R.S.

के. एल. माहेश्वरी आ॰रा॰से॰

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय
GOVERNMENT OF INDIA, MINISTRY OF FINANCE
प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम
PRINCIPAL CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX, WEST BENGAL & SIKKIM
आयकर भवन, AAYAKAR BHAVAN
पी-7, चौरंगी स्क्वॉयर, P-7, CHOWRINGHEE SQUARE
कोलकाता - 700 069, KOLKATA-700 069
दूरभाष : (033) 2213-6148, PHONE : (033) 2213-6148
फैक्स : (033) 2213-6141, FAX : (033) 2213-6141
मोबाईल नं. : 9477331511, Mobile No. : 9477331511
ई-मेल / Email : kolkata.pccit@incometax.gov.in

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, प. बं एवं सिक्किम का शुभकामना संदेश

हिन्दी पत्रिका उत्कर्ष के लिए दो शब्द लिखना मेरे लिए सुखद एवं गर्व का क्षण है । हिन्दो की प्रगति के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता का भागीरथ प्रयास निश्चित ही प्रशंसनीय है जिसके लिए मैं इस पत्रिका से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ ।

भाषा का एकमात्र उद्देश्य भाव-सम्प्रेषण है और भाव वही, जो हमारे हृदय से निकले । हिन्दी देश के करोड़ों लोगों की बोल-चाल की भाषा इसलिए बनी क्योंकि यह जन-जन के हृदय को जोड़ पाने में सक्षम है । शायद यही वजह है कि हिन्दी कश्मीर से कन्याकुमारी और सौराष्ट्र से तवांग तक के लोगों को एक सूत्र में पिरो पाती है । इसी सूत्र को स्वाधीनता संग्राम के महानायकों ने महसूस किया और भारत की लोकभाषा को राजभाषा के रूप में मान्यता दी ।

उत्कर्ष के अबाध प्रकाशन के लिए अपार शुभकामनाओं के साथ ।

(के.एल.माहेश्वरी)
प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त
पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम

अपर महानिदेशक का शुभकामना संदेश

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता की विभागीय हिन्दी गृह-पत्रिका 'उत्कर्ष' का नौंवा संस्कारण आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है।

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता सदैव राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में तत्पर रहा है और राजभाषा के माध्यम से कार्मिकों की रचनात्मक प्रतिभा को उजागर करने की दिशा में एक सशक्त कदम है 'उत्कर्ष' पत्रिका।

प्रधान आयकर महानिदेशक (प्रशिक्षण) महोदय के सतत् मार्गदर्शन व शुभकामनाओं तथा संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों जिन्होने अपने निरंतर अथक प्रयासों से इस पत्रिका के सफल प्रकाशन में योगदान दिया है, मैं कृतज्ञ हूँ।

'उत्कर्ष' के प्रकाशन से जुड़े संपादक, अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा सभी रचनाकारों जिन्होने इस पत्रिका को सुंदर रूप देने में अपना योगदान दिया है, उन सभी को हार्दिक बधाई।

'उत्कर्ष' के सफल प्रकाशन एवं उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाओं के साथ।

जय हिन्द !

गोविन्द लाल
अपर महानिदेशक (क्षे. प्र. सं.)
प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

संयुक्त निदेशक का संदेश

'उत्कर्ष' के नौवें संस्करण के प्रकाशन की मुझे अत्यंत प्रसन्नता है। मैं इस कारण और भी खुश हूँ कि मैं इसके प्रकाशन की प्रक्रिया में शामिल हूँ।

हमारा पूरा अधिकार क्षेत्र, राजभाषा अधिनियम 1963 के अंतर्गत 'ग'-वर्ग में वर्गीकृत किया गया है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि 'ग'- वर्ग में होने के बाद भी, यह संस्थान 'उत्कर्ष' का निरंतर प्रकाशन कर रहा है, जिससे इस तरह के गैर-हिंदी भाषी क्षेत्रों में राजभाषा को बढ़ावा देने में मदद मिली है। पत्रिका में कार्मिकों के परिवार के सदस्यों का उनकी रचनाओं के रूप में योगदान देना, उनके रचनात्मक क्षमताओं के विकास के अतिरिक्त आयकर-परिवार में बेहतर संबंध और सौहार्द स्थापित करने में सहायक होगा।

श्रीमती सुनीता वर्मा लांगस्ते, संपादक और उनकी समर्पित टीम को पत्रिका के प्रकाशन में उनके अथक प्रयासों के लिए मेरी हार्दिक बधाई।

मुझे आशा है कि पाठकों को यह 'उत्कर्ष' पत्रिका निश्चित रूप से बहुत पसंद आएगी और मैं इसके उत्तरोत्तर विकास एवं उन्नति की कामना करता हूँ।

संजीत

संजीत कुमार दास
संयुक्त आयकर निदेशक (प्रशिक्षण)-1
प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

"उत्कर्ष"

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता की वार्षिक राजभाषा पत्रिका

संरक्षक
श्री गोविन्द लाल
अपर महानिदेशक (क्षे.प्र.सं)

प्रकाशक
श्री संजीत कुमार दास
संयुक्त आयकर निदेशक (प्रशि.)-1

संपादक
सुनीता वी लांगस्ते
अपर सहायक निदेशक (प्रशि.)-3

कार्यालय
110, शांतिपल्ली, ई.एम.बाईपास रोड
कोलकाता-700107

मुद्रक
एड्यूनिक
पी-29, सी.आई.टी.रोड
कोलकाता-700014

क्रमांक	विषय	पृष्ठ
1	संपादक की कलम से	6
2	जीवन यात्रा : रमेश कुमार चौबे	7
3	ट्रेनिंग के दिन : अपर्णा गुप्ता	8
4	संकलित शायरी	9
5	छायाचित्र : अरूप कुमार बिश्वास	9
6	दिल की बात : कौशलेन्द्र कुमार	10
7	जलचित्र : प्रद्न्या प्रिया	10
8	बस अपने मन की सुन लेना : संतोष कुमार राय	10
9	अपर महानिदेशक की कलम से	11
10	तंजोर पेंटिंग एवं चित्र : आरोही लाल	14
11	समय प्रबंधन : गोविन्द लाल	15
12	दो कविताएं - 'ज़िंदगी' एवं 'ज़िंदगी वही जो तेरे साथ गुजर जाए' : निशांत प्रमोद	19
13	वित्तीय बजट 2017 की झलकियाँ : साकिब सुल्तान फराजी द्वारा संकलित	20
14	कुछ रोचक तथ्य : लोकेश कुमार द्वारा संकलित	23
15	दो कविताएं - 'क्या लिखूँ ?' एवं 'एक वार्तालाप' : सुनीता वी. लांगस्ते	24
16	नन्हें हाथों से	25
17	संकलित	26
18	हाथों की कला	27
19	देने की खुशी (Joy of Giving)	28
20	चित्रकला : आरोही लाल	29

संपादक की कलम से

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता की वार्षिक हिन्दी गृह-पत्रिका 'उत्कर्ष' का नौवां संस्करण आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

पत्रिका को एक नए रूप में प्रस्तुत करने के लिए संस्थान के अधिकारी, कर्मचारी, प्रशिक्षु तथा उनके परिवार के सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिससे इसे रोचक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक बनाया गया है। मुझे विश्वास है कि पत्रिका में प्रस्तुत रचनाएँ, चित्र, छायाचित्र व अन्य सामग्री आपको एक सुखद अनुभूति प्रदान करेंगी।

इस पत्रिका को आपके सामने प्रस्तुत करने में श्री गोविन्द लाल, अपर महानिदेशक (क्षे.प्र.सं.) के मार्गदर्शन और उत्साह-वर्धन के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। श्री संजीत कुमार दास, संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण)-1 और मेरे सहकर्मियों द्वारा पत्रिका के सफल प्रकाशन में किए गए प्रयासों व योगदान के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूँ।

अंत में, मैं संपादक मण्डल की ओर से उन सभी लोगों व रचनाकारों का आभार व्यक्त करना चाहूंगी जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग दिया है। आशा करती हूँ कि यह पत्रिका आपको अवश्य पसंद आएगी।

पत्रिका को और बेहतर बनाने के लिए आपके सुझाव व समीक्षा की अपेक्षा के साथ...

सुनीता

सुनीता वी. लांगस्ते
अपर सहायक निदेशक (प्रशि.)-3
प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

जीवन यात्रा

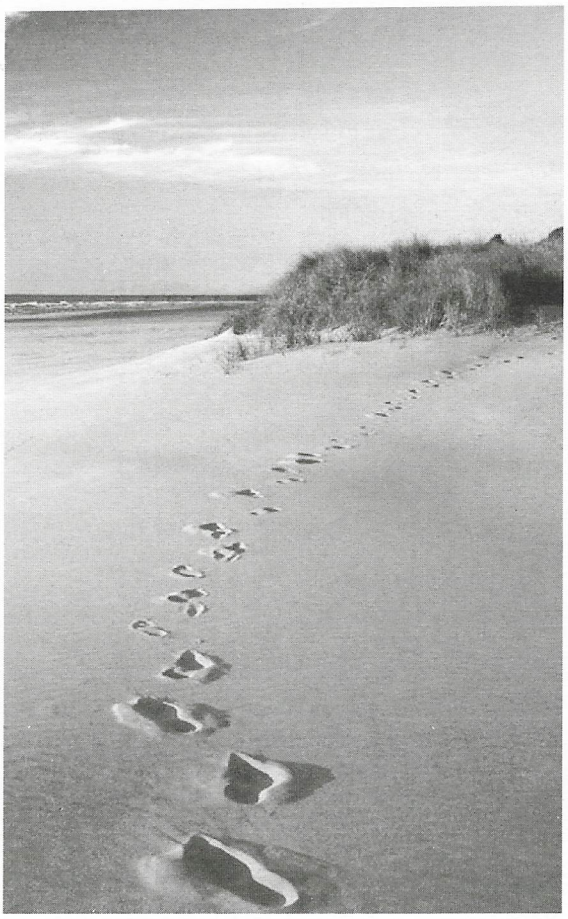

मंज़िलें अपरिभाषित यहाँ
पर, यात्रा का क्रम जारी है ।
जिसे कहते हैं हम मंज़िल
पाते ही बन जाती है केवल
मील का इक पत्थर ।
और यह आदमी
हर मील पर पहुँचकर
गढ़कर नए पत्थर
फेंक देता है उसे अगले
मील पर ।
और जारी है - इस तरह
दिनों में तय होने वाली
यात्रा का
दूरियों में नापना-जोखना ।
हर बार मिला क्या ?
अधूरापन ।
और टटोलता रहा मन
अधूरेपन में,
संपूर्णता का कोना ।
और जारी है इस तरह,
इस कोने से उस तक
जीवन यात्रा का बिखरना ।

इन्हीं छलावों में जारी है
असंतृप्त रिक्त प्राणों के
प्यासे अभियान ।
अभिशप्त यात्राओं के
अधूरे अंजाम ।
ठहरा कौन ?
खोने और पाने के,
अनबूझे अरमानों के
सँवारने का क्रम जारी है ।
मंज़िलें अपरिभाषित यहाँ
पर, यात्रा का क्रम जारी है ।।

- रमेश कुमार चौबे
अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण),
राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर

ट्रेनिंग के दिन

कुछ खट्टे कुछ मीठे ट्रेनिंग के दिन
बहुत याद आएंगे ट्रेनिंग के दिन।
ट्रेनिंग के पहले की फीलिंग
जब सेलेक्शन हुआ मेरा तो मन में सबसे पहले आया
वो थे ट्रेनिंग के दिन।
जब जॉइन हुए तो सबसे पहले सर से जो पूछा
वो थे ट्रेनिंग के दिन।
फिर समय आया ट्रेनिंग का
तो मन में खुशी की लहर चल पड़ी।
कुछ नए लोगों से मिलने की इच्छा भी मन में प्रबल हुई।
बहुत सुना था की ट्रेनिंग भी एक मस्ती होती है।
बस थोड़ा पढ़ लिख लो, फिर रात भर मटरगश्ती होती है।
हाँ ट्रेनिंग की क्लास थोड़ा बोरिंग होती है।
क्योंकि इतने देर तक बैठने की अपनी न आदत होती है।
ट्रेनिंग के टीचर भी बड़े इंट्रेस्टिंग होते है।
कुछ थोड़े लिब्रल कुछ बड़े रुड होते है।
यह ट्रेनिंग के मस्ती तो ज़िंदगी भर की यादें होती है।
इन कुछ महीनो की यादों से आंखे कई बार नम होती।
ट्रेनिंग का सोचकर ही दिल में हिंडोले डोलने लगते।
बस अब हम ऑफिस में दिन भर सीनियर से ट्रेनिंग का ही पुछते।
ट्रेनिंग में जाने के बाद क्या फीलिंग आती है।
दोस्तों आगे की पंक्तियाँ हमें यह बात बताती है।

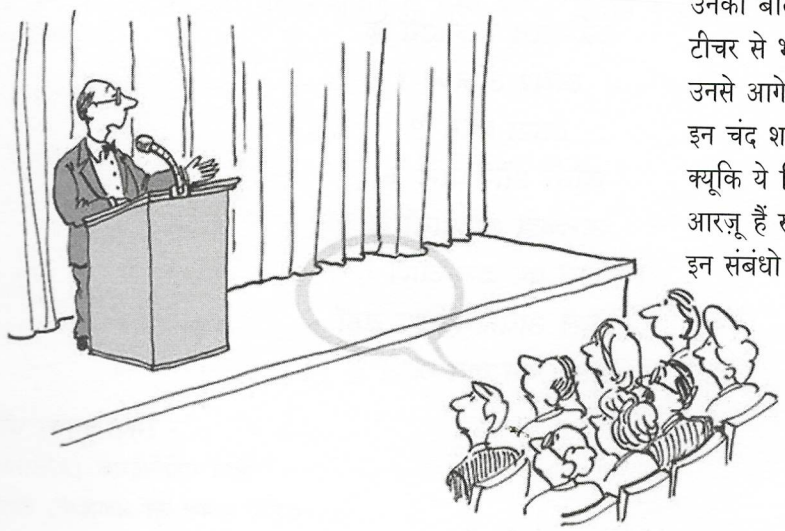

ट्रेनिंग में आने के बाद की फीलिंग
मुझे हर एक बात यहाँ की बहुत याद आती है।
मेरी कैंटीन मेरी लाइब्रेरी मुझे बहुत बुलाती है।
कैसे गुजर गए यह पल इतनी जल्दी,
हम कल ही तो यहाँ आए थे
अभी तो मस्तियाँ शुरू ही हुई थी,
अभी तो हम सबसे अच्छे से मिल भी नहीं पाये।
लास्ट दिनों में न जाने क्यू हर एक क्लास मुझे याद आती है
हर मस्ती हर शरारत मुझे बहुत रुलाती है।
सुनीता मैडम के लैक्चर बहुत याद आते है
उनको सोच कर यह एक्ट लॉ तो अब ऐसे ही याद हो जाते है।
अब समय आया है बिछड़ने का दोस्तों, दोस्तों मुझे माफ करना
अपना दोस्त अपना यार समझकर मेरी गलती को नज़रअंदाज़ करना।
यहाँ के हर टीचर की याद मुझे बहुत आएगी,
उनकी बातें उनकी नसीहत ही अब हमारा फ्युचर बनाएगी।
टीचर से भी अब माफी मांगना चाहूंगी,
उनसे आगे बढ़कर उनका आशीर्वाद भी चाहूंगी।
इन चंद शब्दों में कैसे बयान करूँ यह पूरी कहानी
क्यूकि ये दिन हैं मेरे जीवन की एक बेहतरीन निशानी।
आरज़ू हैं सभी लोगों से फ्युचर में कांटैक्ट बनाए रखना
इन संबंधो की सीमाओं को इस कैम्पस के बाहर भी खोले रखना।

अपर्णा गुप्ता
आयकर निरीक्षक
डी सी आइ टी (सर्कल-2),रांची

संकलित शायरी

किस्मत

हथेली की लकीरों पर तुम्हें इतना भरोसा क्यों.....?
आपके बाजुओं से भी तो इक रास्ता निकलता है.....!!

अंदाज़ा

अंदाज़े से न नापिये
किसी इंसान की हस्ती,
ठहरे हुए दरिया अक्सर
गहरे हुआ करते हैं....!

अंजान

फैसला हो ही नहीं पाया बहुत बातों के बाद
कौन खुलता है यहाँ कितनी मुलाकातों के बाद।

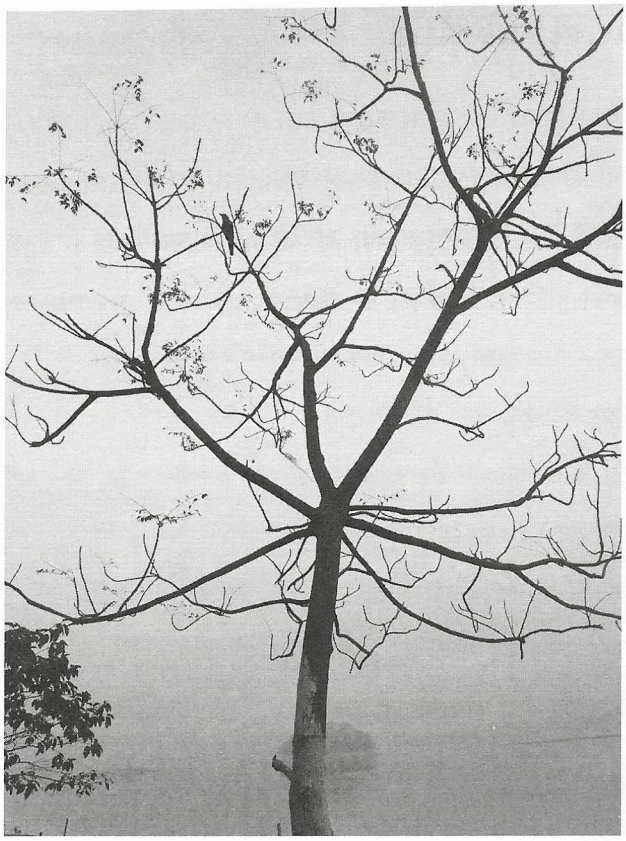

खुशी

ख़ुशी के अपने-अपने मायने हैं,
जनाब.....
एक बच्चा गुब्बारा ख़रीद कर ख़ुश था तो दूसरा उसे बेच कर...!

झूठा आईना

आईना आज फिर रिश्वत लेता पकडा गया,
दिल में दर्द था ओर चेहरा हंसता हुआ पकडा गया।

परवाह

दौलत नहीं, शोहरत नहीं, ना वाह चाहिये
कैसे हो बस दो लफ्ज़ की परवाह चाहिये...!!!

दोनों छायाचित्र -

अरूप कुमार बिश्वास
अपर सहायक निदेशक (प्रशि.)-2
प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

दिल की बात

निगाहें निगाहों से मिला कर तो देखो !
नए लोगों से रिश्ता बना कर तो देखो !
हसरतें दिल में छुपाने से क्या फायदा !
अपने होठों को हिला कर तो देखो !
खामोशी से कहाँ होती है ख्वाइशें पूरी !
दिल की बात बता कर तो देखो !
जो है दिल में उसे कर दो बयां !
खुद को एक बार जता कर तो देखो !
आसमां सिमट जाएगा आगोश में !
चाहत की बाहें फैला कर तो देखो !
दिल की बात बता कर तो देखो !

कौशलेन्द्र कुमार
आयकर निरीक्षक,प्रशिक्षु
पश्चिम बंगाल व सिक्किम प्रभार

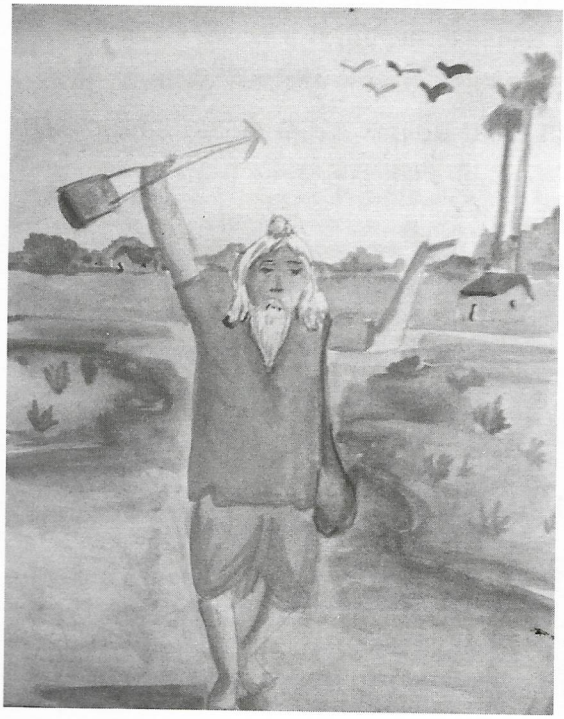

चित्र - **प्रद्न्या प्रिया**
सुपुत्री - श्री प्रमोद कुमार,
निरीक्षक
पश्चिम बंगाल व सिक्कम प्रभार

बस अपने मन की सुन लेना

जब प्याली टूटे आशा की
और किरचें चुभे निराशा की ।
जब कोई नहीं सहारा हो,
फैला चहु दिक अंधियारा हो ।
जब आग बिछे सच्चाई पर,
और मोती मिले बुराई पर।
तब अंगारे तुम चुन लेना,
बस अपने मन की सुन लेना।
जब विपदाओं में हाथ न दें,
जब कोई तुम्हारा साथ न दें।
जब निकट अंजाना रास्ता हो,
और नीर नयन का सस्ता हो।
जब पाप का गूँजे अट्टाहास,
सर्वत्र घृणा का रहे वास।
तुम किसी कालिख से घबरा कर,
तुम कभी न कुछ अवगुण लेना।
बस अपने मन की सुन लेना।

हो कर्तव्य से हाथ बंधे
जब लक्ष्य कठिन हो, नहीं सधे,
जब सत्य टके में बिकता हो,
जब लहूलुहान मानवता हो,
जब मजहब देश से प्यारा हो,
जब सबका अपना नारा हो,
तब जाति धर्म से उठ ऊपर
कुछ स्वप्न देशहित के बुन लेना,
बस अपने मन की सुन लेना।

संतोष कुमार राय
आयकर निरीक्षक, प्रशिक्षु
जमशेदपुर

अपर महानिदेशक की कलम से

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में गत वर्ष के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रमों और बुनियादी ढाँचे को सशक्त करने और बेहतर करने के प्रयास किए गए हैं। इस प्रयास में संस्थान में आने वाले प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण के दौरान मनोरंजन, व्यायाम, खेलकूद और योगाभ्यास की उत्तम सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

संस्थान में अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें नए सीधी-भर्ती निरीक्षकों के लिए 60-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और नए पदोन्नत आयकर अधिकारियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम प्रमुख हैं। इन दीर्घकालीन कार्यक्रमों के अलावा इस संस्थान में आयकर निरीक्षकों से लेकर संयुक्त आयकर आयुक्त स्तर के अधिकारियों के लिए विभिन्न अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं।

Lt. Colonel श्री सौमेष कुमार मुखर्जी प्रशिक्षुओं को समझाते हुए

इस वर्ष सीधी-भर्ती निरीक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक नई पहल की गयी है जिसमें प्रशिक्षुओं को जन्मदिन की बधाई हेतु शुभकामना कार्ड दिये गए व जन्मदिन की बधाई के गीत उनके जन्मदिन पर बजाए गए जिससे उन्हें आत्मीयता का आभास हो। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को विभिन्न समूहों मे विभाजित करके एक मार्गदर्शक संकाय के साथ बेहतर पथ-प्रदर्शन और मार्गदर्शन के लिए जोड़ा गया।

IISCO Steel Plant, Burnpur के दौरे से पहले की तैयारी में संकाय सदस्य एवं प्रशिक्षु

प्रशिक्षुओं को दामोदर घाटी निगम, दुर्गापुर और इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर में औद्योगिक यात्रा के लिए ले जाया गया। इस वर्ष के प्रशिक्षुओं की सारी जानकारी जैसे उद्देश्य, रुचियाँ, रचनाएँ और उनके संस्थान में अनुभव आदि को संकलित करके एक 'बैच डाइरी' (Batch Diary) के रूप में संकलित किया गया।

संस्थान में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आने वाले सभी प्रशिक्षुओं से उनकी प्रतिक्रिया ली जाती है जिससे भविष्य में होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नए व उपयोगी विषयों, आदि को सम्मिलित किया जा सके और प्रशिक्षण को और कारगर बनाया जा सके ।

संस्थान ने इस वर्ष कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर दो वृत्तचित्र फीचर फिल्में तैयार की हैं जिन्हे प्रशिक्षुओं और आम लोगों

दामोदर घाटी निगम के पावर प्लांन्ट के दौरे के बाद संकाय सदस्य एवं प्रशिक्षु

को महत्वपूर्ण जानकारी, रोचक तरीके से देने के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है:

1. समय प्रबंधन पर **'समय को समय दो'** और
2. टीडीएस और टीसीएस के प्रावधानों पर **'टीडीएस जागरुकता'**।

'समय को समय दो' में समय प्रबंधन पर विभिन्न सिद्धांतों को समझने तथा उन्हें और अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए प्रवाह चार्ट का उपयोग तथा काम और जीवन में बेहतर संतुलन के लिए निजी और सरकारी कार्य को अलग-अलग रखने का महत्व बताया गया है ।

'टीडीएस जागरुकता' कर कटौती पर एक वृत्तचित्र फीचर फिल्म है जिसे अंग्रेजी, हिंदी, बंगाली और 6 (छह) अन्य क्षेत्रीय भाषाओं (मराठी, गुज ाती, पंजाबी, तेलुगु, तमिल और कन्नड़) में बनाया गया है, जिसमें कर कटौती के विभिन्न प्रावधानों पर प्रकाश डाला गया है और टीडीएस/टीसीएस को जमा करने के विषय में मनोरंजक रूप से जानकारी दी गई है ।

यह वृत्तचित्र प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में माननीय श्री गोपाल मुखर्जी, सदस्य (राजस्व और टीपीएस), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के कर कमलों से दिनांक 06/02/2017 को जारी किया गया।

फिल्म टीडीएस-जागरूकता का विमोचन करते हुए श्री गोपाल मुखर्जी, सदस्य (राजस्व और टीपीएस), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली

टीडीएस जागरुकता, प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता की एक अनूठी पहल है जिसका उपयोग डीडीओ के ज्ञान का आधार बढ़ाने के लिए और कानून के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में आम लोगों तक जानकारी पहुंचाने के लिए किया जा सकता है।

देश के टैक्स चुकाने वालों को शिक्षित करने के उद्देश्य से और जनता के बीच इस फिल्म के माध्यम से यह संदेश देने के लिए कि आयकर विभाग द्वारा करों का संग्रह, भविष्य के एक

नए भारत के लिए ढांचागत विकास, रक्षा संसाधनों और विभिन्न सूक्ष्म स्तर के विकासात्मक कार्यक्रमों को वृद्धि प्रदान करता है और आयकर विभाग इस तरह राष्ट्र के निर्माण में योगदान देता है। संदेश श्री सौरव गांगुली, प्रख्यात व्यक्तित्व के माध्यम से दिया गया है। फिल्म के रूप में करदाताओं को जानकारी देना, सेमिनारों का एक प्रभावी विकल्प होगा क्योंकि फिल्मों का असर लोगों पर लंबे समय तक पड़ता है।

इसके अलावा **OEP** - ऑनलाइन परीक्षा तैयारी, DTRTI, कोलकाता की एक अनोखी पहल है जो कि विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को ई-लर्निंग के लिए मंच प्रदान करने और विभागीय परीक्षा की तैयारी में उम्मीदवारों की सहायता करने के लिए विकसित किया गया है।

'ऑनलाइन टेस्ट जेनरेटर' असली परीक्षा की तर्ज पर मॉक टेस्ट उत्पन्न करता है जिसमें कई विकल्प जैसे कि परीक्षा, साल, विषय और बदलती कठिनाई के साथ सवालों की संख्या का चयन आदि उपलब्ध हैं। 'शीघ्र ऑनलाइन विश्लेषक' के साथ OEP विश्लेषण के लिए 'टेस्ट इतिहास लॉग' में प्रत्येक उम्मीदवार की प्रगति का ट्रैक रखता है।

आयकर अधिनियम, लेखा, कार्यालय प्रक्रिया, सूचना का अधिकार अधिनियम, आचरण नियमों आदि के 3400 से अधिक सवाल और उनके स्पष्टीकरण के साथ उत्तर, OEP पर उपलब्ध हैं जो संकाय और परीक्षकों के लिए रेडी रेकनर तथा विभिन्न विषयों पर संदर्भ के लिए और 'प्रश्नोत्तरी और प्रश्न जेनरेटर' का काम करेगा।

OEP - ऑनलाइन परीक्षा तैयारी के लिए समर्पित सर्वर स्थापित किया गया है और अब विभाग के कोई भी अधिकारी/कर्मचारी इस पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करा कर इसका प्रयोग कर सकते हैं।

OEP का विमोचन माननीय प्रधान आयकर महानिदेशक (प्रशिक्षण) महोदया, श्रीमती गुंजन मिश्रा के कर कमलों से राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर में दिनांक 16.03.2016 को हुआ था।

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता में इस वर्ष बुनियादी ढाँचे को और सुदृढ़ करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। संस्थान में अत्याधुनिक उपकरणों एवं सुविधाओं से सम्पन्न व्यायामशाला स्थापित की गयी है, जिसका उपयोग संस्थान में आए प्रशिक्षु व अतिथि नियमित रूप से कर रहे हैं। व्यायामशाला में सुरक्षा हेतु रबर-फर्श और सौंदर्य हेतु सुंदर दर्पण और समुच्चित चित्र (कोलाज) लगाए गए हैं। व्यायामशाला व योग-कक्ष में संगीत की व्यवस्था हेतु आधुनिक संगीत उपकरणों की आपूर्ति की जा रही है। व्यायाम के बाद तरोताजा होने के लिए एक स्टीम-बाथ की भी व्यवस्था की गई है। संस्थान में आने वाले अतिथि व प्रशिक्षुओं ने व्यायामशाला में उपलब्ध इन सुविधाओं का भरपूर लाभ उठाया है और अपनी संतुष्टी व्यक्त की है।

सुरक्षा हेतु कार्यालय में विभिन्न स्थानों पर हाई-डेफ़िनिशन कैमरों के साथ आधुनिक CCTV प्रणाली स्थापित की गई है। इसका उपयोग कर सुरक्षाकर्मी कार्यालय में किसी भी प्रवेश स्थान का मुआयना कर सकते हैं और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोक सकते हैं। पूरे भवन में WI-FI की सुविधा प्रदान करने हेतु सभी मंज़िलों पर उपकरण लगाए जा

रहे हैं जिससे सभी अधिकारी, कर्मचारी, प्रशिक्षु और अतिथि आवश्यकतानुसार इंटरनेट का उपयोग कर सकें। दसवीं मंज़िल पर आधुनिक सम्मेलन कक्ष स्थापित करने हेतु CPWD को आधिकारिक और वित्तीय अनुमति प्रदान कर दी गई है। नौवीं मंज़िल पर ऑफिसर्स-मैस के लिए रंगरोगन किया गया है और वालपेपर लगवाए गए हैं और फ़र्निचर आदि की व्यवस्था की जा रही है।

संस्थान में छात्रावास और अतिथिगृह के लिए टी.वी., गीजर और इलैक्ट्रिक केटली आदि की व्यवस्था की जा रही है, जिससे प्रशिक्षुओं और अतिथियों को अधिक सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

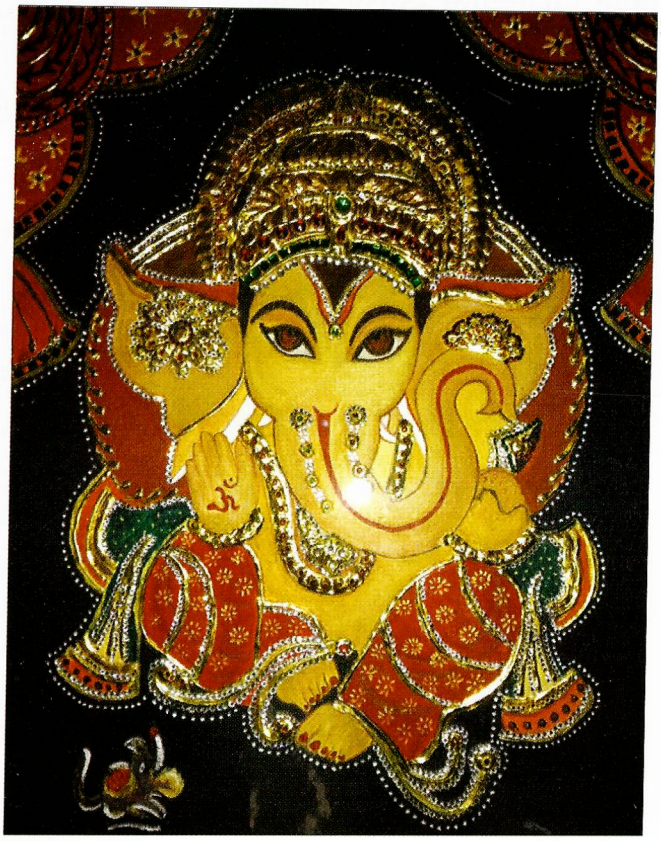

इस तरह संस्थान को श्रेष्ठतम बनाने के अथक प्रयासों के लिए मैं अपने सभी सहकर्मियों का आभारी हूँ, परंतु अब भी काफी कुछ किया जा सकता है । इसके लिए हम सबका प्रयास, उत्साह और निष्ठा से जारी रहेगा।

श्री रंगनाथ झा, प्रधान महानिदेशक (प्रशि.), राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर के मार्गदर्शन, श्री रमेश कुमार चौबे, अपर महानिदेशक (प्रशि.)-1, मिस नौशीन जहां अंसारी, अपर महानिदेशक (प्रशि.)-2, श्रीमती लीना श्रीवास्तव, अपर महानिदेशक (प्रशि.)-3 और अन्य अधिकारीगण के सहयोग से ही यह संभव हो पाया, उन सभी का मैं हृदय से आभारी हूँ।

तंजोर पेंटिंग एवं चित्र
सुश्री आरोही लाल
पुत्री श्री गोविन्द लाल

समय प्रबंधन

गोविन्द लाल
अपर महानिदेशक (क्षे.प्र.सं.)
प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

समय से अधिक शक्तिशाली कोई भी नहीं और इसके ऊपर किसी का नियंत्रण नहीं होता । धन खोने पर दोबारा प्राप्त किया जा सकता है, परंतु समय एक बार बीत गया तो कभी वापस नहीं मिलता।

यह मुझे सिकंदर महान के अंतिम शब्दों की याद दिलाता है। अपनी मृत्युशैया पर, सिकंदर ने अपनी सेना के सेनापतियों को बुलाया और उन्हें अपने तीन अंतिम इच्छाएँ बताई :

1. *सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों को उसके ताबूत को उठाकर ले जाना चाहिए ।*
2. *उसने जो भी धन जमा किया है वह (पैसा, सोना, कीमती पत्थर) कब्रिस्तान के लिए जुलूस के साथ बिखेरा जाना चाहिए ।*
3. *उसके हाथ ढीले छोड़ दिए जाने चाहिए, ताकि वे सभी के देखने के लिए ताबूत के बाहर लटके रहें !!*

उसके सेनापति जो इन असामान्य अनुरोधों से हैरान थे, उन्होंने सिकंदर से इनकी व्याख्या करने के लिए कहा । सिकंदर महान ने उनसे यह कहा,

1. 'मैं सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों से मेरा ताबूत उठवाना चाहता हूँ, क्योंकि दुनिया में सबसे अच्छे डॉक्टरों में भी मुझे स्वस्थ करने की शक्ति नहीं है'... यह हर कोई देखे ।

2. 'जो धन-सामग्री पृथ्वी पर हासिल की है, वह पृथ्वी पर ही रहेगी' यह हर कोई देखे इसलिए, मैं सड़क पर मेरा सारा खजाना बिखेरना चाहता हूँ।

3. 'मेरे हाथ हवा में झूलने चाहिए, ताकि लोग समझ सकें कि हम इस दुनिया में खाली हाथ आते हैं और हम इस दुनिया का सबसे अनमोल खजाना समाप्त होने के बाद, खाली हाथ ही चले जाते हैं' और वह खज़ाना है: समय ।

समय की गति एक समान होती है, यह पहले से लेकर अंत तक एक ही गति से चलता रहता है । भगवान ने सभी को दिन के 24 घंटे दिये है, लेकिन अब इन 24 घंटों का उपयोग कौन किस तरह करता है ये उसपर निर्भर करता है । वैसे

ही **'ठीक समय पर किया हुआ थोडा-सा कार्य बहुत लाभदायक होता है और समय बीतने के बाद किया गया महान कार्य भी व्यर्थ हो जाता है'।**

अगर आपको किसी काम के लिये कहा जाए तो आपका रवैया यह होना चाहिये की आप उसे समय पर करे । काम तो आप वैसे ही करेंगे, पर समय पर करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वो काम आपके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता पर है । तो आइये, हम कुछ समय Time Management के साथ गुज़ारें ।

समय प्रबंधन वास्तव में, जीवन प्रबंधन है। उचित समय प्रबंधन करने से आपका जीवन बदल जाता है। यह आपके जीवन को खुशनुमा और सार्थक बनाता है। इससे रचनात्मकता बनी रहती है और उत्पादकता बढ़ जाती है। संसाधनों के समुचित आवंटन के माध्यम से प्रत्येक कार्य के लिए समय सीमा निर्धारित करना, कठिन की तुलना में होशियार काम करना सिखाता है। काम केवल तीन चीजों- विचार, बातचीत, और प्रक्रिया से बना है। अपने काम में इन तीन वस्तुओं के वितरण के अनुपात को तय करने के लिए - केवल एक चीज आपको करने की जरूरत है, अच्छी तरह से अपने समय का प्रबंधन।

किसी भी दिन का काम शुरू करने से पहले एक 'To Do लिस्ट' बना ली जाए, तो काम बेहतर तरीके से किया जा सकता है। अपने जीवन में एक उत्पादक समय प्रबंधन प्रणाली के लिए आप कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं का पालन करने की जरूरत है:

- ☞ निर्धारित लक्ष्य
- ☞ महत्वपूर्ण कार्यों पर तुरंत शुरू हो जाएं, हर काम के लिए समय सीमा निर्धारित करें
- ☞ एक समय में एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करें(यानी कोई मल्टीटास्किंग नहीं)
- ☞ योजना के लिए समय ले लें
- ☞ कार्य सूची (कैलेंडर नोटबुक का प्रयोग करके) को बनाए रखें
- ☞ समान कार्य का एकीकरण
- ☞ प्राथमिकता का निर्धारण
- ☞ कागज प्रवाह पर नियंत्रण
- ☞ बैठकों के समय में कमी
- ☞ बड़ी परियोजनाओं को पूरा कने के लिए उन्हें छोटे कार्यों में तोड़ लें
- ☞ कार्यों को प्रभावी ढंग से करने के लिए उन्हें लोगों में सही तरह से बांटें
- ☞ काम की एक साप्ताहिक या नियमित रूप से समीक्षा करें
- ☞ अपने कैलेंडर पर व्यक्तिगत आराम और विश्राम रखें, हर दिन सोने के लिए 7 से 9 घंटे, सोने के लिए अपनी जरूरत का सम्मान करें, दिन में काम के दौरान ब्रेक लें
- ☞ प्रभावी ढंग से ना कहें, जल्दी से गलतियों को स्वीकार कर आगे बढ़ें

जब हम समय प्रबंधन के बारे में सोचें, हमें सरकारी कार्य के साथ-साथ व्यक्तिगत कार्यों के समय प्रबंधन के बारे में भी सोचना है।

समय प्रबंधन की तकनीकों को लागू करने के लिए दो पहलुओं में बांटा जा सकता है:

(क) व्यक्तिगत कार्य: स्वयं, परिवार और समाज से संबंधित।

इस विषय में समय प्रबंधन के कुछ जाने-माने सिद्धान्त इस प्रकार हैं:

स्टीफन कोवे का समय प्रबंधन मैट्रिक्स :

काम का वितरण चार प्रकार से किया जा सकता है :

1) **Urgent** और **Important** काम - Urgent और Important काम जल्दी करने चाहिये । इसमें बहुत से काम समय पर नहीं करने की वजह से Urgent और Important बने होते हैं। Important और Urgent काम की लिस्ट छोटी होनी चाहिये। दुसरे ग्रुप के काम अगर समय पर नहीं हुए तो वो पहले ग्रुप में आ जाते हैं ।

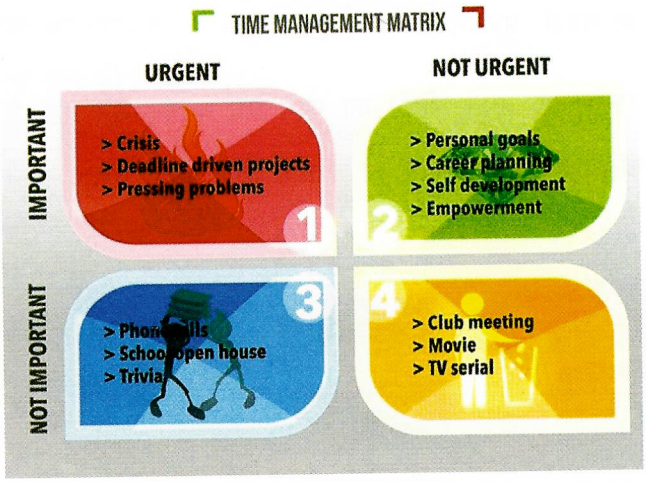

2) Important लेकिन कम Urgent काम - इस ग्रुप के काम Urgent नहीं होते, लेकिन वो Important होते हैं। हमारे जीवन में क्या Important है, अगर ये पता होगा और हमें जीवन में क्या करना है इसकी दिशा निश्चित होगी तो हम ये Important और कम Urgent काम करने में ज्यादा ध्यान दे पाएंगे । इसमें के काम कभी-कभी धयान न देने की वजह से Urgent हो सकते हैं ।

3) Urgent लेकिन कम Important - ये काम हम पर आक्रमण करते रहते हैं । वो काम करने में लोग हमें मजबूर करते हैं। ये काम किए तो बाकी के लोगों को खुशी मिलती है । हम लोगों के लिये ये काम करते हैं तो लोकप्रिय होंगे । ये काम हमारे सामने एकदम से खड़े हो जाते हैं, लेकिन हमारे लिये वो कम Important होते हैं ।

4) कम Urgent कम Important - एक दो घंटे हर रोज़ पेपर पढ़ने में बिताना, T.V. पर सीरियल देखना, चौक में बैठ के दोस्तों के साथ गप्पे मारना, ये काम कम Urgent और कम Important होते हैं । बहुत से लोग Urgent और Important कामों के निचे दबकर, थक जाते हैं और उनके सामने सिर्फ एक ही रास्ता बचता है - कम Important और कम Urgent काम करना । उस वजह से बहुत से लोगों का 90% समय ये कम Urgent और कम Important काम करने में ही जाता है।

प्रभावी और सफल लोग ग्रुप तीन और चार के कामों से खुद को दूर रखते हैं क्योंकि वो काम Urgent हो या ना हो वो Important नहीं होते ।

परेटो का 80-20 का सिद्धांत:

यह विचार, जो अब परेटो का सिद्धांत कहा जाता है, समय प्रबंधन से संबंधित है, जिसके अनुसार केवल 20% काम से

आम तौर पर वांछित परिणाम का 80% उत्पन्न हो जाता है।

पार्किंसंस का सिद्धांत:

पार्किंसंस विधि कहती है कि 'काम का विस्तार इसके पूरा होने के लिए उपलब्ध समय को भरने के लिए हो जाता है।' इसलिए कम काम भी कभी-कभी ज़्यादा समय ले लेता है । यदि किसी कार्य को करने के लिए एक महीना पर्याप्त है पर उसके लिए दो महीने का समय दिया जाता है, तो वह कार्य करने में दो महीने लग जाते हैं ।

समय प्रबंधन पर विभिन्न सिद्धांतों को समझने तथा उन्हें और अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए प्रवाह चार्ट का उपयोग तथा काम और जीवन में बेहतर संतुलन के लिए निजी और सरकारी कार्य को अलग-अलग रखने का महत्व बताया गया है। प्रवाह - चार्ट के माध्यम से कार्यों को उनके महत्व और तात्कालिकता के अनुसार 3 भागों मे बांटा गया है जो कि इस प्रकार हैं:

1. स्वयं समाप्त की श्रेणी (Auto Eliminate/Auto Dump)
2. स्वत: सौंपने की श्रेणी (Auto Assign/Auto Delegate)
3. प्राथमिकता के आधार पर निश्चित होने वाले कार्य (Prioritized Tasks)

कार्य के आने के बाद पहला कदम उसे तात्कालिकता, महत्व और महत्व (UIS) के आधार पर उचित श्रेणी में आवंटित किया जाना होना चाहिए । अगर काम सभी तीन मानकों पर कम आँका जाता है, तो इसे पहली श्रेणी में रखा जाना चाहिए। कुछ कार्यों के लिए संसाधन पहले से ही निर्धारित हैं । इस तरह के कार्य स्वत: सौंपने की श्रेणी में आते हैं । शेष कार्य है जो कि पहली दो श्रेणियों में वर्गीकृत नहीं किए जा सकते, प्राथमिकता कार्य होते हैं ।

इस प्रकार अपने जीवन का ध्येय तय करके, उस दृष्टी से उपलब्ध हर एक सेंकड़ का उपयोग करने वाला इन्सान अपने जीवन में सफल होता है ।

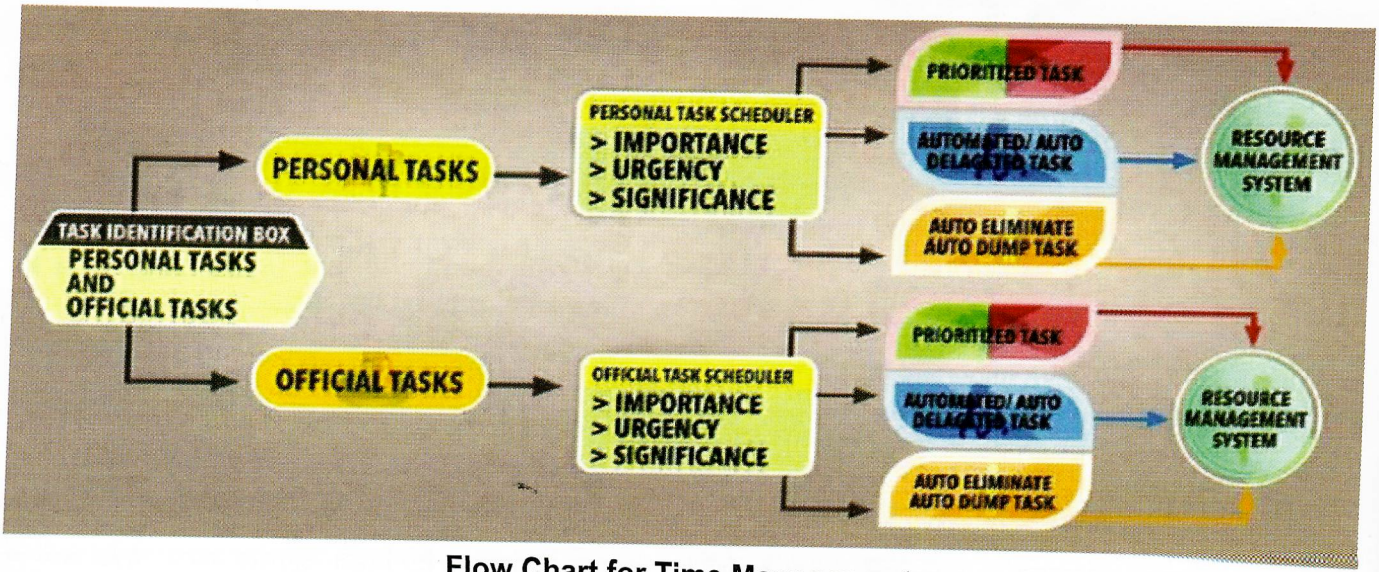

Flow Chart for Time Management

ज़िंदगी

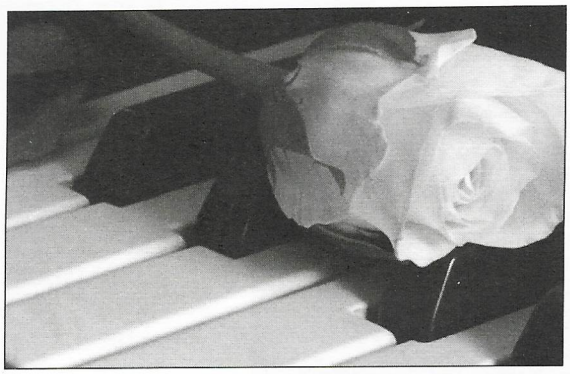

खूबसूरत है ज़िन्दगी,
हर दिन कुछ नया सिखाती,
हर सवाल तेरा जुड़ा है,
कि हमें जवाब का इंतज़ार कराती है,

मत पूछ मुझसे,
मैंने क्या पाया है,
यह सोच की मैंने ,
क्या खोया है,

खो गए हैं सवाल कई,
जवाब का तो आज हमारे पास पिटारा है,
क्या ज़माना है,
कि कागज़ के चन्द पन्ने,
ज़िन्दगी की हक़ीक़त हैं,
जुबान पे लिखे बोल,
बस किसी बच्चे के खिलौने हैं,

हर दिन पैमाना बदलता है,
तेरा ऐ ज़िंदगी,
कुछ अच्छा कुछ बुरा,
वक़्त का जुर्म क्या है,
यह तो हमारे अपनों का है।

ज़िंदगी वही जो तेरे साथ गुजर जाए

ज़िंदगी वही जो तेरे साथ गुजर जाए,
सांस वही जो तेरी खुशबू पकड़ लाए।
तुझसे भी जरूरी हो जो
ऐसा भला काम ही क्या है,
तेरे दिल में न उतार जाए
वह नाम, नाम ही क्या है,
नाम वही जो तेरे लबों पर आए
बात वही जो तुझपर ठहर जाए,
ज़िंदगी वही जो तेरे साथ गुज़र जाए,
सांस वही जो तेरी खुशबू पकड़ लाए।
अपने प्यार को ना पा सके,
वह प्यार,प्यार ही क्या है,
सिर्फ कुशल-क्षेम ही पूछे
वह यार,यार ही क्या है,
आशिक वही जो तेरी आस बन जाए,
पावन वही जो तेरी सांस बन जाए,
ज़िंदगी वही जो तेरे साथ गुज़र जाए,
सांस वही जो तेरी खुशबू पकड़ लाए।

निशांत प्रमोद
आयकर निरीक्षक, प्रशिक्षु
प्रधान आयकर आयुक्त-II, कोलकाता

वित्तीय बजट 2017 की झलकियाँ

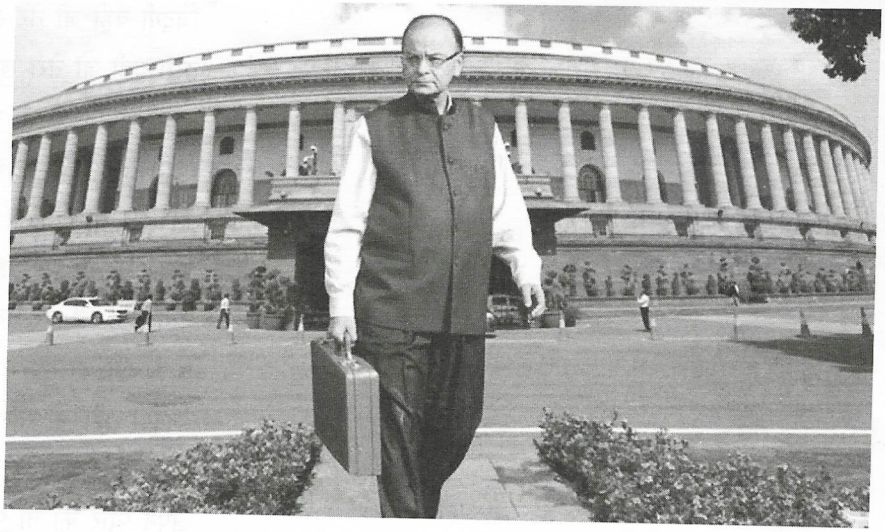

2 फरवरी को वित्त मंत्री, श्री अरुण जेटली ने वित्तीय बजट 2017 संसद में पेश किया । इस वर्ष वित्तीय बजट में ज्यादा प्राथमिकता ग्रामीण और कृषि क्षेत्र को देते हुए ज्यादा फंड आवंटित किया गया है । यह रही इस वर्ष के वित्तीय बजट की कुछ झलकियाँ।

वर्ष 2017-18 का बजट खर्चा करीब 21.47 लाख करोड़ है।

कृषि बजट : इस बार के बजट में कृषि को ज्यादा प्राथिमिकता दी गई है ।

1) कृषि क्रेडिट लोन का लक्ष्य 9 लाख करोड़ से बढाकर 10 लाख करोड़ कर दिया गया है ।

2) फसल बिमा योजना की राशि 5500 करोड़ से बढाकर 9000 करोड़ कर दी गई है। फसल बिमा योजना का दायरा 30% से बढाकर 40% कर दिया गया है ।

3) सरकार ने किसानों के दो महीने का ब्याज माफ़ कर दिया है ।

4) मनरेगा में 48000 करोड़ का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10000 करोड़ ज्यादा है ।

5) किसान बिमा योजना के लिए 13000 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है ।

6) बजट में किसानों को सोईल स्वास्थ्य कार्ड देने के लिए देश भर में मिनी प्रयोगशालाएँ खोलने की योजना है । देश के 648 कृषि विज्ञान केन्द्रों में यह प्रयोगशालाएँ खोली जाएंगी।

7) सरकार 2000 करोड़ के शुरूआती फंड से आगले 3 साल में 8000 करोड़ के दूध प्रोसेसिंग फंड का गठन किया है ।

8) फसलों के बिमा का कवरेज 50% तक बढा दिया गया है ।

9) ई-मंडी का दायरा बढेगा,वर्ष 2017-18 में 585 मंडियों को जोड़ने का लक्ष्य, मंडियों के अपग्रेड के लिए हर मंडी को 75 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी ।

10) कांट्रैक्ट फार्मिंग का मॉडल लाया जाएगा।

11) सिंचाई के लिए राशि को बढाकर 4000 करोड़ कर दिया गया है ।

12) भारत सरकार ने 2017-18 में ग्रामीण एग्री और सहायक सेक्टर के लिए बजट में आवंटन पिछले साल के मुकाबले 24% बढ़ाकर 1,87,223 करोड़ कर दिया है ।

ग्रामीण बजट : ग्रामीण इलाकों के लिए बजट में आवंटन 24% बढ़ाया गया है ।

1) गावों में स्वच्छता का दायरा 18% बढ़कर अक्टूबर 2016 के 42% के स्तर से 60% पर पहुँच गया है ।

2) प्रधान मंत्री स्वरोजगार योजना पर 27000 करोड़ खर्च किए जाएंगे, जिससे 2017-18 में बेघरों के लिए 1 करोड़ घरों का निर्माण किया जाएगा ।

3) मई 2018 तक देश के सभी गावों में 100% विद्युतीकरण का काम पूरा किया जाएगा ।

4) महिलाओं की मनरेगा में भागीदारी को 45% से बढ़कर 55% किया गया है ।

5) मनरेगा की निगरानी के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा ।

6) 2011-14 के दौरान रोजाना 73 किलोमीटर सड़क बनाने के मुकाबले प्रधान मंत्री सड़क योजना के तहत 133 किलोमीटर रोजाना सड़क बनाई जाएगी।

रक्षा बजट :

पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान की हरकतें देखकर, भारत सरकार ने रक्षा बजट 2.74 लाख करोड़ आवंटित किया है, ताकि देश की सुरक्षा और मजबूत की जा सके ।

रेल बजट :

1) वर्ष 2017-18 में रेलवे के लिए 55000 करोड़ का बजट आवंटन किया गया है ।

2) 500 स्टेशनों में लिफ्ट और एस्कलेटर की सुविधा दी जाएगी।

3) ई-टिकट पर सर्विस चार्ज नहीं लगेगा।

4) 2020 वर्ष तक मानव रहित फाटक ख़त्म होंगे ।

5) पर्यटन और तीर्थ स्थानों के लिए नई ट्रेने चलाई जाएंगी।

6) 2017-18 में 3500 किलोमीटर लम्बी रेलवे लाइन बिछाने का प्रावधान ।

7) 2019 तक ट्रेनों में बायो टॉयलेट होंगे ।

महिलाओ और बच्चों के कल्याण के लिए बजट

1) गर्भवती महिलाओं के खाते में 6000 रूपए डाले जाएंगे।

2) महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए 1.84 लाख करोड़ रूपए आवंटित किए गए हैं ।

स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए बजट

1) नेशनल टेस्टिंग एजेंसी सभी बडी परीक्षाएं कराएगी ।

2) अच्छी क्वालिटी के इंस्टिट्यूट बनाए जाएंगे ।

3) 3.5 करोड़ युवाओं को मार्केट-बेस्ड ट्रेनिंग दी जाएगी ।

4) UGC के नियमों में बदलाव लाए जाएंगे ताकि उच्च शिक्षा में सुधर लाया जा सके।

5) 600 जिलों में कौशल केन्द्रों को स्थापित किया जाएगा ।

6) 2 नए AIIMS ,गुजरात और झारखंड में स्थापित किए जाएंगे ।

7) पढ़ाई के लिए ऑनलाइन सुविधा 'स्वयं' शुरू होगी ।

8) स्किल अवेयरनेस प्रोग्राम 'संकल्प' के लिए 4000 करोड़ आवंटित किए गए हैं ।

वरिष्ठ नागरिकों का बजट

1) वरिष्ठ नागरिकों के लिए आधार से जुड़ा स्मार्ट कार्ड प्रदान किया जाएगा ।

2) वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन योजनाओं में निवेश पर 8% ब्याज निश्चित रूप से मिलेगा ।

विज्ञान मंत्रालय को 37,435 करोड़ का बजट दिया गया है।

दीनदयाल अन्तोदय योजना को 4500 करोड़ का बजट दिया गया है ।

इन्टरनेट योजना के लिए 10,000 करोड़ रूपए के बजट का ऐलान किया गया है ।

इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 3 लाख 96 हज़ार करोड़ का फंड आवंटित किया गया है ।

अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए 4,195 करोड़ का बजट दिया गया है ।

बैंक से 2 लाख से ज्यादा की राशि को ई-पेमेंट या चेक के जरिये से ही निकाला जा सकेगा ।

अफ़्फ़ोर्डेबल हाउसिंग को इन्फ्रा सेक्टर का दर्ज़ा, यानि 30/60 sq. mt. बिल्ट-अप एरिया को कारपेट एरिया माना जाएगा ।

राजनीतिक पार्टियाँ अब एक व्यक्ति से 2000 रूपए से ज्यादा चन्दा एक बार में नहीं ले पाएंगी ।

इस बजट में रियल एस्टेट सेक्टर को प्रोजेक्ट लोन मिलना आसान हो गया है ।

हाईवे प्रोजेक्ट के लिए 64,900 करोड़ का फंड दिया गया है।

एफडीआई को मंजूरी देने वाली एफ.आई.पी.बी ख़त्म होगी।

राजनीतिक दलों को आयकर रिटर्न दाखिल करना होगा ।

Long Term Capital Gain की सीमा को 3 साल से घटाकर 2 साल कर दिया गया है ।

नेशनल हाउसिंग बैंक से 20000 करोड़ की अतिरिक्त पूंजी को आवंटित किया गया है।

आयकर की दरों में निम्न बदलाव किया गया है :

मौजूदा		नया	
आय	टैक्स दर	आय	टैक्स दर
0 - 2.5 लाख	Nil	0 - 2.5 लाख	Nil
2.5 - 5 लाख	10%	2.5 - 5 लाख	5%
5 - 10 लाख	20%	5 - 10 लाख	20%
10 लाख से ज्यादा	30%	10 लाख से ज्यादा	30%

संकलित

साकिब सुल्तान फराजी

एम.टी.एस, प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

कुछ रोचक तथ्य

- Albert Einstein के अनुसार हम रात को आकाश में लाखों तारे देखते हैं, पर वे उस जगह नहीं होते, बल्कि कहीं और होते हैं। हमें तो उनके द्वारा छोडा गया कई लाख साल पहले का प्रकाश ही दिखता है।
- फिलिपिन्स में पाया जाने वाला बोया पक्षी प्रकाश में रहने का इतना शौकीन होता है कि अपने घोंसले के चारों ओर जुगनु भरकर लटका देता है।
- नील आर्मस्ट्राँग ने सबसे पहले अपना बाँया पैर चँद्रमा पर रखा था और उस समय उनके दिल की धड़कन 156 बार प्रति मिनट थी।
- शहद एक एकलौता ऐसा खाद्य पदार्थ है जो कि हजारों सालों तक खराब नहीं होता। मिस्र के पिरामिडों में फैरो बादशाह की क्रब में पाया गया शहद जब खोजी वैज्ञानिकों द्वारा चखा गया तब भी वह उतना ही स्वादिष्ट था, बस उसे थोडा गरम करने की जरूरत थी।
- एक औसतन लैड की पेंसिल से अगर एक लाइन खींची जाए तो वह 35 किलोमीटर लंम्बी होगी जिससे 50,000 अंग्रेजी शब्द लिखें जा सकते है।
- आप 300 हड़डियों के साथ जन्म लेते हैं, पर 18 साल तक होते-होते आप की हड़डियाँ जुड़ कर 206 रह जाती हैं।
- छींकते समय आँखे खुली रख पाना नामुनकिन है और छींकते समय दिल की गति एक मिली सेंकेड के लिए रुक जाती है।
- TYPEWRITER सबसे लंम्बा शब्द है जो कि keyboard पर एक ही लाइन पर टाइप होता है।
- इतिहास में सबसे छोटा युद्ध 1896 में इंग्लैंड और ज़ांज़िबार के बीच हुआ, जिसमें ज़ांज़िबार ने 38 मिन्ट बाद ही सरेंडर कर दिया था।
- भास्कराचार्य ने खगोल शास्त्र के कई सौ साल पहले पृथ्वी द्वारा सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाने में लगने वाले सही समय की गणना की थी। उनकी गणना के अनुसार सूर्य की परिक्रमा में पृथ्वी को 365.258756484 दिन का समय लगता है।
- लोग सबसे ज्यादा तेज फैसले तब लेते हैं, जब वे वीडियो गेम खेल रहे होते हैं।
- नाभिकीय भट्टियों में प्रयुक्त गुरु-जल विश्व का सबसे महँगा पानी है। इसके एक लीटर का मूल्य लगभग 13,500 रुपये होता है।

संकलित

लोकेश कुमार

आयकर निरीक्षक

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

क्या लिखूँ ?

किताब है, कलम है, दवात है
सब कहते हैं कि हिन्दी पत्रिका के लिए कुछ लिखूँ
पर क्या लिखूँ ?

लिखना तो चाहती हूँ,
पर कलम नहीं उठा पाती हूँ।

देखती हूँ, लोगों को,
हंस हंस कर बातें करते हुए
पर पाती हूँ,
हृदय तो है, पर स्पंदन नहीं है
नमस्ते है, पर अभिनंदन नहीं है
सबकुछ है, पर अपनत्व नहीं है

क्योंकि,
शरीर है, स्वाभिमान नहीं है
अहंकार है, अभिमान नहीं है
दूसरों के लिए हमारे एहसास नहीं जगते

क्योंकि,
पराई है, अपनी जान नहीं है।

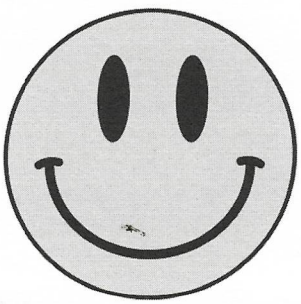

एक वार्तालाप

कितने दिल खिला देता है, मुस्कराना,
कितने बंद दरवाजे खोल देता है मुस्कराना,
फिर क्यों इतना हो गया है, मुस्कराना महंगा,
आओ बहा दे...
मुस्कराने की गंगा।

मुस्कराना है जैसे,
हवा और पानी,
दिखता है तभी,
जब बहता है,
फिर क्यूँ न हम बहाएँ... मुस्कराने की गंगा।

कानों ने लबों से बोला,
क्यूँ इतना खर्च होते हो..
गर थोड़ा सा....
मुस्करा दोगे,
तो तुम्हारा काम,
नज़रें ही कर देंगी।

फिर भी आँखों से न हो सकेगा,
मुस्कराने का काम,

क्योंकि,
मुश्किल है वही काम,
जो आसान बहुत है।

सुनीता वी. लांगस्ते
अपर सहायक निदेशक (प्रशि.)-3
प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

नन्हें हाथों से

निधि शिंदे
पुत्री श्री सुनिल पी शिंदे, ADIT (Trg)-1
प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

दृप्तो खान
पुत्र श्री संदीपन खान, ADIT (Trg.)-5
प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

आरित्री सरकार
पुत्री श्री देबाशीस सरकार, निरीक्षक
पश्चिम बंगाल व सिक्किम प्रभार

संकलित

दोनों पक्षी छायाचित्र

श्री रत्नदीप बिश्वास, एमटीएस, प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

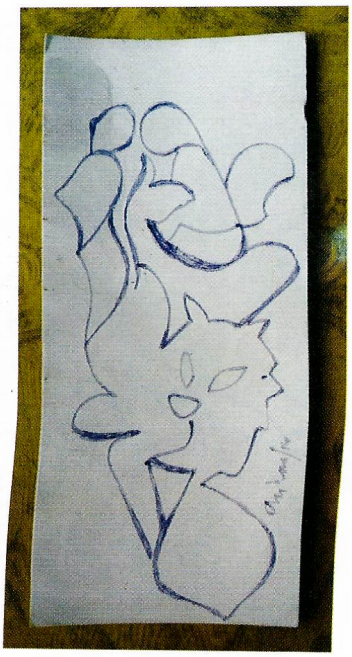

श्री अनिमेष घोष, *AAD (Trg.)-4*

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान, कोलकाता

हिन्दी सप्ताह के पुरस्कार वितरण के
बाद संकाय सदस्य एवं विजेता प्रतियोगी

हाथों की कला

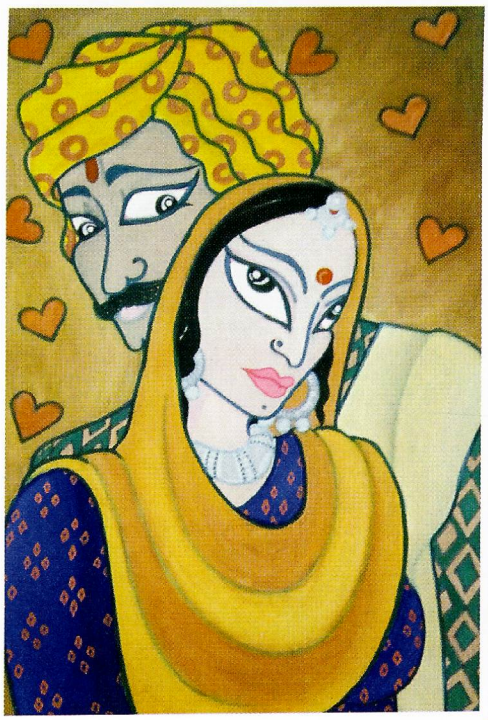

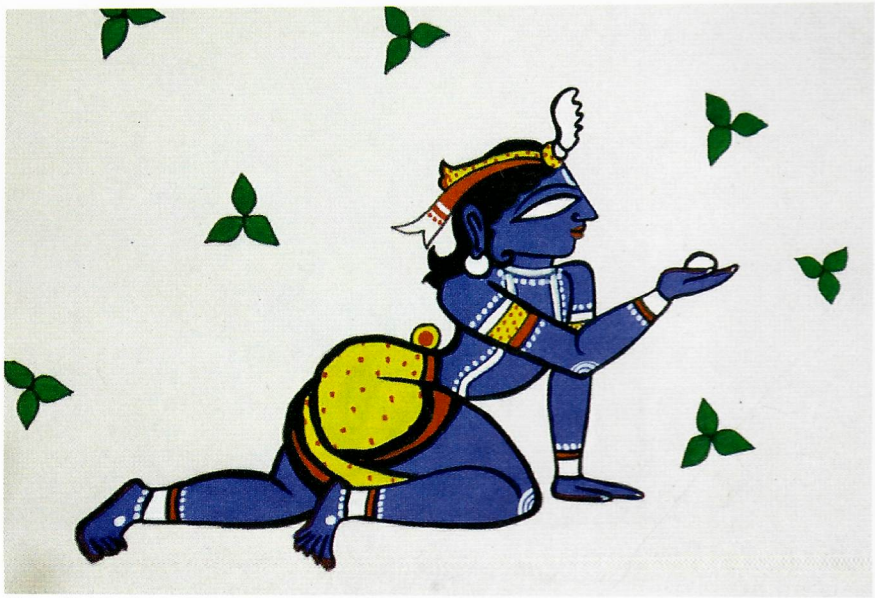

सभी चित्र

श्री राहुल नहाकपकम

निरीक्षक, पूर्वोत्तर प्रभार

देने की खुशी (Joy of Giving)

BCDRI 2016-17 के प्रशिक्षु एवं संकाय सदस्य वंचित बच्चों के साथ देने की खुशी को मनाते हुए

MSTU, Guwahati के सदस्य वंचित लोगों को खाना खिलाकर देने की खुशी को मनाते हुए

चित्रकला - **आरोही लाल**, पुत्री श्री गोविन्द लाल, अपर महानिदेशक (क्षे.प्र.सं)

चित्रकला - **आरोही लाल**, पुत्री श्री गोविन्द लाल, अपर महानिदेशक (क्षे.प्र.सं)

प्रत्यक्ष कर क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान

110, शान्तिपल्ली, ई. एम. बाईपास, कोलकाता-700107

दूरभाष : (033) 24423044, 24423046, 24423050-59, फैक्स : (033) 24423045, 24423047

ई-मेल : dtrtikolkata@gmail.com

Designed & printed by Adunique